

जैसे- 'नींबू निचुड़ना' या धोती निचुड़ना 3. रस या सारहीन होना 4. शक्ति रहित होना 5. शरीर का रस या सार निकल जाने से दुबना होना।

निचुल पुं. (तत्.) 1. बेंत, हिज्जल वृक्ष 2. ऊपर का वस्त्र, जिरह बखतर, कवच।

निचुलक पुं. (तत्.) दे. निचोल।

निचोड़ पुं. (तद्.) 1. वह वस्तु जो निचोड़ने से निकले, निचोड़ने से निकला हुआ जम्, रस आदि 2. सार वस्तु, सार, सत 3. सारांश, मुख्य तात्पर्य, खुलासा।

निचोड़ना स.क्रि. (तद्.) 1. गीली या रसभरी वस्तु को दबाकर या ँँठकर उसका पानी या रस निकालना, गारना 2. किसी वस्तु का सारभाग ले लेना 3. सब कुछ ले लेना, सर्वस्व हरण कर लेना, निर्धन कर देना।

निचोरनि स्त्री. (तद्.) निचोड़ने का कार्य।

निचोल पुं. (तत्.) 1. आच्छादन वस्त्र, ऊपर से शरीर ढकने का कपड़ा 2. ओहार आच्छादन, ओढ़नी, घूँघट का कपड़ा 3. उत्तरीय वस्त्र 4. छाधरा, लहंगा 5. वस्त्र।

निचोलक पुं. (तत्.) 1. चोल, कंचुक, अंगा 2. बखतर, सन्नाह।

निचोवना पुं. (तत्.) दे. निचोड़ना।

निचौहाँ वि. (देश.) नीचे की ओर किया हुआ, झुका हुआ, नमित, निचौँहे, नीचे की ओर।

निच्छवि स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का ब्राह्म्य क्षत्रिय, सवर्णा स्त्री से उत्पन्न ब्राह्म्य क्षत्रिय की संतान।

निछक्का पुं. (तद्.) 1. वह समय या स्थान जिसमें कोई दूसरा न हो, एकांत, निर्जन 2. सिर्फ, निरा, मात्र।

निछत्र वि. (तद्.) 1. जिसके सिर के ऊपर छत्र न हो, छत्रहीन, बिना छत्र का 2. बिना राजचिह्न का 3. बिना राज्य का। (तत्.) क्षत्रियों से हीन, बिना क्षत्रिय का, क्षत्रियों से रहित।

निछद्म पुं. (तत्.) एकांत स्थान, निर्जन स्थान।

निछान वि. (तद्.) 1. खालिस, विशुद्ध, बिना मिलावट का 2. बिल्कुल, निछला, एकमात्र अव्य. केवल, एकदम, बिल्कुल।

निछावर स्त्री. (तत्.) 1. एक उपचार या टोटका जिसमें किसी की रक्षा के लिए कुछ द्रव्य या कोई वस्तु उसके सारे अंगों के ऊपर से छुआ कर दान कर देते हैं 2. उत्सर्ग, वाराफेरा, उतारा, बखेर 3. नेग, इनाम।

निछावरि स्त्री. (तत्.) दे. निछावर।

निछोह वि. (तद्.) 1. जिसे छोह या प्रेम न हो 2. निर्दय, निष्ठुर।

निछोही वि. (तद्.) 1. जिसे प्रेम न हो 2. निर्दय, निष्ठुर।

निज वि. (तत्.) 1. अपना, स्वीय, स्वकीय, पराया नहीं 2. खास, मुख्य, प्रधान 3. ठीक, सही, निश्चय, ठीक-ठीक, सही-सही 2. खासकर, विशेषकर।

निजकाना पुं. (फा.) निकट पहुँचाना, समीप आना।

निजकारी स्त्री. (देश.) बँटाई की फसल, वह जमीन जिसके लगान में उससे उत्पन्न वस्तु ही ली जाए।

निजघास पुं. (तत्.) पार्वती के क्रोध से उत्पन्न गणों में से एक।

निजन पुं. (तद्.) एकांत, सन्नाटा, सुनसान, निर्जन।

निजा पुं. (अर.) झगड़ा, विवाद।

निजाई वि. (अर.) विवादग्रस्त, झगड़ातलब।

निजात स्त्री. (अर.) बंधन मुक्ति, छुटकारा, भारमुक्ति।

निजानंद पुं. (तत्.) स्वयं में आनंद की अनुभूति, आत्म-सुख, आत्म-साक्षात्कार का सुखी वि. आत्मानंद के स्वरूप वाला।

निजाम पुं. (अर.) 1. इंतजाम, प्रबंध, बंदोबस्त, पद्धति, सिलसिला, तरतीब 2. भारत की स्वतंत्रता से पहले हैदराबाद रियासत 3. राज्य के मुस्लिम शासक या नवाब की उपाधि।